How lucky and Great we are...!

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

“मीठे बच्चे - तुम सच्चे-सच्चे सत्य बाप से सत्य कथा सुनकर नर से नारायण बनते हो, तुम्हें 21 जन्म के लिए बेहद के बाप से वर्सा मिल जाता है"

हाँ बाबा, हाजिर बाबा, अभी बाबा...

**प्रश्नः-** बाप की किस आज्ञा को पालन करने वाले बच्चे ही पारसबुद्धि बनते हैं?

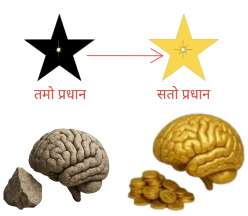


**उत्तर:-** बाप की आज्ञा है - देह के सब सम्बन्धों को भूलकर बाप को और राजाई को याद करो। यही सद्गति के लिए सतगुरू की श्रीमत है। जो इस श्रीमत को पालन करते अर्थात् देही-अभिमानी बनते हैं वही पारसबुद्धि बनते हैं।

**गीत:-आज अन्धेरे में हम इन्सान...**

Click

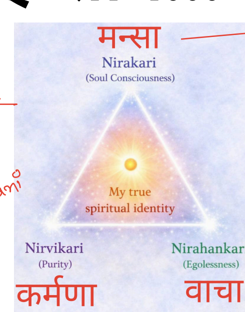


Homework of this Sunday Avyakt vani

आज अंधेरे में है हम इंसान,
ज्ञान का सूरज चमका दे भगवान
आज अंधेरे में है हम इंसान,
ज्ञान का सूरज चमका दे भगवान

भटक रहे हमें राह दिखा दे,
भगवान राह दिखा दे
भटक रहे हमें राह दिखा दे,
भगवान राह दिखा दे

कदम कदम पर किरण बिछा दे,
भगवन किरण बिछा दे
कदम कदम पर किरण बिछा दे,
भगवन किरण बिछा दे

इन् अखियन को प्रभु करा दे,
इन् अखियन को प्रभु करा दे,
ज्योति से पहचान
ज्योति से पहचान

आज अंधेरे में है हम इंसान,
ज्ञान का सूरज चमका दे भगवान

हम तो है संतान तिहारी,
प्रभु संतान तिहारी
हम तो है संतान तिहारी,
प्रभु संतान तिहारी

तेरी दया के हम अधिकारी,
प्रभु है हम अधिकारी
तेरी दया के हम अधिकारी,
प्रभु है हम अधिकारी

दुनिया होवे सुखी हमारी,
दुनिया होवे सुखी हमारी,
ऐसा दे वरदान
ऐसा दे वरदान

आज अंधेरे में है हम इंसान
ज्ञान का सूरज चमका दे भगवान

ओम् शान्ति। यह कलियुगी दुनिया है। सब अन्धेरे में हैं, यही भारत सोझरे में था। जब यह भारत स्वर्ग था। यही भारतवासी जो अब अपने को हिन्दू

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

कहलाते हैं, यह असुल देवी देवतायें थे। भारतवासी स्वर्गवासी थे। जब कोई धर्म नहीं था, एक ही धर्म था। स्वर्ग, वैकुण्ठ, बहिश्त, हेविन यह सब भारत के नाम थे। भारत प्राचीन पवित्र बहुत-बहुत धनवान था। अभी तो भारत कंगाल है क्योंकि अब कलियुगी है। वह सतयुग था। तुम सब भारतवासी हो। तुम जानते हो हम अन्धियारे में हैं जब स्वर्ग में थे तो सोझरे में थे। स्वर्ग के राज राजेश्वर, राज-राजेश्वरी लक्ष्मी-नारायण थे। उनको सुखधाम कहा जाता है। नये-नये आते हैं तो बाप फिर समझाते हैं। बाप से ही तुमको स्वर्ग का वर्सा लेना है, जिसको जीवनमुक्ति कहा जाता है। अभी सब जीवनबन्ध में हैं। खास भारत आम दुनिया, रावण की जेल शोक वाटिका में हैं। ऐसे नहीं कि रावण सिर्फ लंका में था और राम भारत में था और उसने आकर सीता चुराई। यह सब हैं दन्त कथायें। गीता है मुख्य, सर्व शास्त्रों में शिरोमणी श्रीमत अर्थात् भगवान की सुनाई हुई गीता। मनुष्य तो कोई की सद्गति कर नहीं सकते। सतयुग में थे जीवनमुक्त देवी देवतायें, जिन्होंने यह वर्सा

Then

V/S

Now

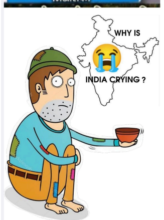

How Sweet...!

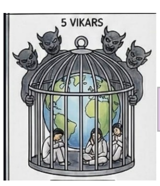


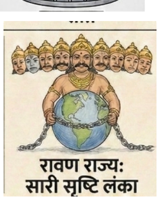


Mind very well...

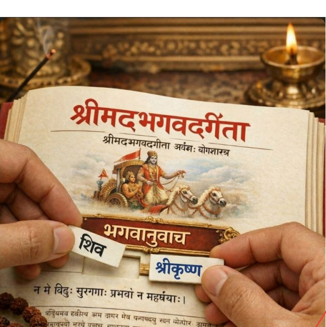


ये पक्का कर लो..

Important

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

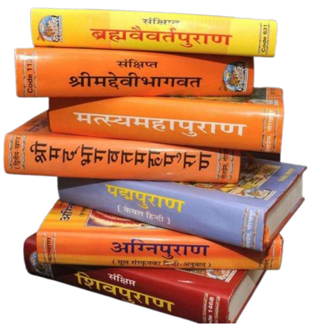


कलियुग अन्त में पाया था। भारत को यह पता नहीं था, न कोई शास्त्र में है। शास्त्र तो सब हैं भक्ति मार्ग के लिए। वह सब भक्ति मार्ग का ज्ञान है।

Mind very well...

Simple Logic

The one who is Already in Maze (भूल भुलैया); How can show you the path of Exit

सद्गति मार्ग का ज्ञान मनुष्य मात्र में है नहीं। बाप कहते हैं कि मनुष्य, मनुष्य के गुरू बन नहीं सकते। गुरू कोई सद्गति दे नहीं सकते। वह गुरू कहेंगे भक्ति करो, दान पुण्य करो। भक्ति द्वापर से चली आई है। सतयुग त्रेता में है ज्ञान की प्रालब्ध। ऐसे नहीं वहाँ यह ज्ञान चला आता है। यह जो वर्सा भारत को था, यह बाप से संगम पर ही मिला था। जो फिर अभी तुमको मिल रहा है। भारतवासी, नर्कवासी महान दु:खी बन जाते हैं तब पुकारते हैं हे पतित-पावन दु:ख हर्ता सुख कर्ता, किसका? सर्व का क्योंकि खास भारत दुनिया आम में 5 विकार हैं ही हैं। बाप है पतित-पावन। बाप कहते हैं मैं कल्प-कल्प, कल्प के संगम पर आता हूँ और सर्व का सद्गति दाता बनता हूँ। अबलाओं, अहिल्याओं, गणिकाओं और गुरू लोग जो हैं उनका भी उद्धार मुझे करना है क्योंकि यह तो है ही पतित दुनिया। पावन दुनिया सतयुग को कहा

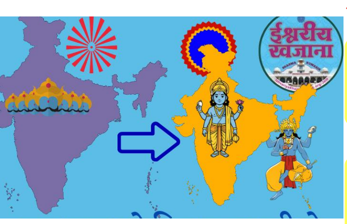


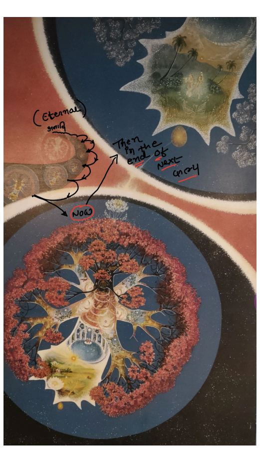

Words of world Almighty

Only God can say this..

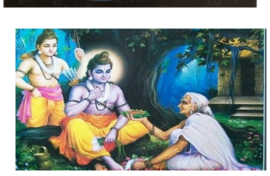

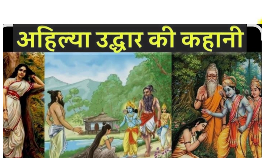

दुनिया एक ही है, जो पुरानी और नई बनती है। अब पुरानी दुनिया खत्म होनी है और नई स्थापन हो रही है।

जाता है। भारत में इन लक्ष्मी-नारायण का राज्य था। यह भारतवासी नहीं जानते कि यह स्वर्ग के मालिक थे। पतित खण्ड माना झूठ खण्ड, पावन खण्ड माना सचखण्ड। भारत पावन खण्ड था। इन लक्ष्मी-नारायण की सूर्यवंशी डिनायस्टी थी। यह भारत है अविनाशी खण्ड, जो कभी विनाश नहीं होता। जब इनका राज्य था तो और कोई खण्ड था नहीं। वह सब बाद में आते हैं। शास्त्रों में सबसे बड़ी भूल तो यह की है जो कल्प लाखों वर्ष का लिख दिया है। बाप कहते हैं कि न तो कल्प लाखों वर्ष का होता, न सतयुग लाखों वर्ष का होता। कल्प की आयु 5 हजार वर्ष है। यह फिर कह देते कि मनुष्य 84 लाख जन्म लेते। मनुष्य को कुत्ता-बिल्ली आदि बना दिया है। परन्तु उनका जन्म अलग है। 84 लाख वैराइटी है। मनुष्यों की वैराइटी एक है, उनके ही 84 जन्म हैं।

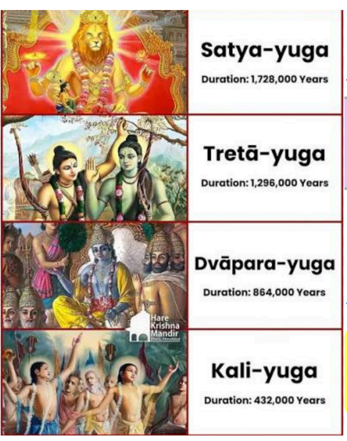


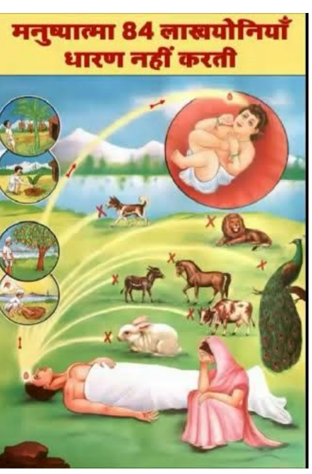


याद करो...

बाप कहते हैं बच्चे तुम आदि सनातन देवी देवता

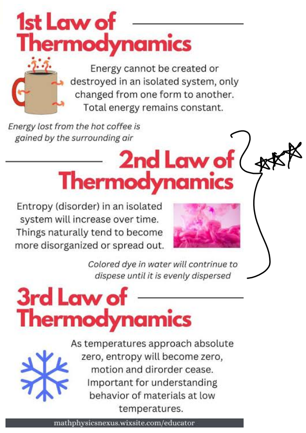


**समझा?**

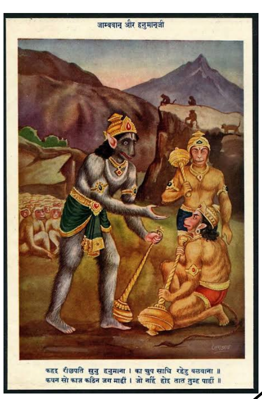

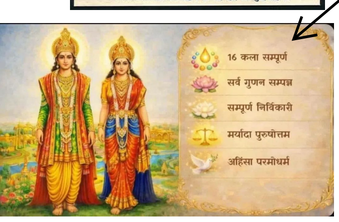


धर्म के थे। भारतवासी अपने धर्म को ड्रामा प्लैन अनुसार भूल गये हैं। कलियुग अन्त में बिल्कुल पतित बन पड़े हैं। फिर बाप आकर संगम पर पावन बनाते हैं, इनको कहा जाता है दु:खधाम। फिर पार्ट सुखधाम में होगा। बाप कहते हैं - हे बच्चों तुम भारतवासी ही स्वर्गवासी थे। फिर तुम 84 जन्मों की सीढ़ी उतरते हो। सतो से रजो, तमो में जरूर आना है। तुम देवताओं जितना धनवान एवरहैपी, एवरहेल्दी कोई नहीं होता। भारत कितना साहूकार था। हीरे जवाहरात तो बड़े-बड़े पत्थरों मिसल थे, कितने तो टूट गये हैं। बाप तुम बच्चों को स्मृति दिलाते हैं कि तुमको कितना साहूकार बनाया था। तुम सर्वगुण सम्पन्न, 16 कला सम्पूर्ण थे। यथा राजा रानी..... इन्हों को भगवान भगवती भी कह सकते हैं। परन्तु बाप ने समझाया है कि भगवान एक है, वह बाप है। सिर्फ ईश्वर वा प्रभू कहने से भी याद नहीं आता कि वो सभी आत्माओं का बाप है। यह तो है बेहद का बाप। वह समझाते हैं कि भारतवासी तुम जयन्ती मनाते हो परन्तु असुल में बाप कब आये थे, वह

But we know, How Lucky & Great we are..!

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

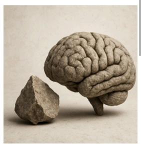

कोई भी नहीं जानते हैं। हैं ही आइरन एजेड, पत्थरबुद्धि। पारसनाथ थे, इस समय पत्थरनाथ हैं। नाथ भी नहीं कहेंगे क्योंकि राजा रानी तो हैं नहीं।

पहले यहाँ दैवी राजस्थान था फिर आसुरी राज्य बन जाता है। यह खेल है। वह है हद का ड्रामा।

यह है बेहद का ड्रामा। वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी आदि से अन्त तक तुम अभी जानते हो और कोई भी नहीं जानते।

भारत में जब देवी देवता थे तो सारी सृष्टि के मालिक थे और भारत में ही थे। बाप भारतवासियों को स्मृति दिलाते हैं। सतयुग में

आदि सनातन देवी देवता, इन्हों का श्रेष्ठ धर्म, श्रेष्ठ कर्म था फिर 84 जन्मों में उतरना पड़े। यह बाप बैठ कहानी सुनाते हैं कि अब तुम्हारे बहुत जन्मों के अन्त का जन्म है। एक की बात नहीं। न युद्ध का मैदान आदि ही है। भारत-वासी यह भी भूल गये हैं कि इन्हों का (लक्ष्मी-नारायण का) राज्य था। सतयुग की आयु लम्बी करने से बहुत दूर ले गये हैं।

Points: ज्ञान यो M.imp.

ये पक्का समझ लो..

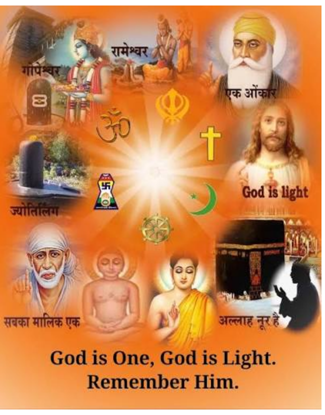


17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

बाप समझाते हैं कि मनुष्य को भगवान नहीं कह सकते। मनुष्य, मनुष्य की सद्गति नहीं कर सकते। कहावत है कि सर्व का सद्गति दाता पतितों को पावन कर्ता एक है। यह है झूठ खण्ड। सच्चा बाबा सचखण्ड स्थापन करने वाला है। भक्त पूजा करते हैं परन्तु भक्ति मार्ग में जिसकी भी पूजा करते आये हैं, एक की भी बायोग्राफी नहीं जानते हैं।

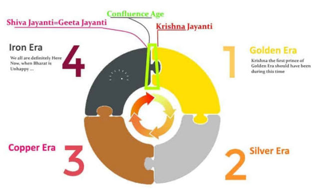


शिव जयन्ती तो मनाते हैं। बाप है नई दुनिया का रचयिता। हेविनली गॉड फादर। बेहद सुख देने वाला। सतयुग में सुख था। वह कैसे और किसने स्थापन किया? नर्कवासियों को स्वर्गवासी बनाया।

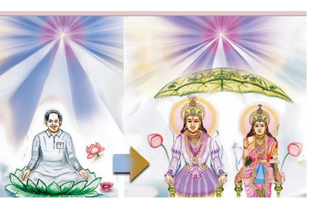

भ्रष्टाचारियों को श्रेष्ठाचारी देवता बनाया। यह तो बाप का ही काम है। तुम बच्चों को पावन बनाता हूँ। तुम स्वर्ग के मालिक बनते हो। फिर तुमको

पतित कौन बनाते हैं? यह रावण। मनुष्य कह देते हैं - सुख दु:ख ईश्वर देते हैं। बाप कहते हैं मैं तो सबको सुख देता हूँ। आधाकल्प फिर तुम बाप का सिमरण नहीं करेंगे फिर जब रावण राज्य होता है तो सबकी पूजा करने लग पड़ते हैं। यह तुम्हारा बहुत जन्मों के अन्त का जन्म है। कहते हैं बाबा

श्रीभगवानुवाच Adhyay : 4
बहूनि मे व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन।
तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परन्तप॥
श्रीभगवान् बोले—हे परंतप अर्जुन! मेरे और तेरे बहुत-से जन्म हो चुके हैं। उन सबको तू नहीं जानता, किन्तु मैं जानता हूँ॥५॥

हमने कितने जन्म लिए हैं? बाप कहते बच्चे, तुम अपने जन्मों को नहीं जानते हो। तुमने पूरे 84 जन्म लिए हैं। तुम 21 जन्म लिए बेहद के बाप से वर्सा लेने आये हो अर्थात् सच्चे-सच्चे सत्य बाबा से सत्य कथा, नर से नारायण बनने का ज्ञान सुनते हो। यह है ज्ञान, वह है भक्ति। यह स्प्रीचुअल नॉलेज सुप्रीम रूह आकर देते हैं। बच्चों को देही-अभिमानी बनना पड़े। अपने को आत्मा निश्चय कर मामेकम् याद करो। शिवबाबा तो सभी आत्माओं का बाप है। आत्मायें सब परमधाम से पार्ट बजाने आती हैं, शरीर में। इसको कर्मक्षेत्र कहा जाता है। बड़ा भारी खेल है। आत्मा में बुरे वा अच्छे संस्कार रहते हैं। जिस अनुसार ही मनुष्य को जन्म मिलता है अच्छा वा बुरा। यह जो पावन था, अभी पतित है, ततत्वम्। मुझ बाप को इस पराये रावण की दुनिया, पतित शरीर में आना पड़ता है। आना भी उसमें है जो पहले नम्बर में जाना है। सूर्यवंशी ही पूरे 84 जन्म लेते हैं। यह है ब्रह्मा और ब्राह्मण। बाप समझाते हैं रोज़, लेकिन पत्थरबुद्धि को पारसबुद्धि बनाना मासी का घर

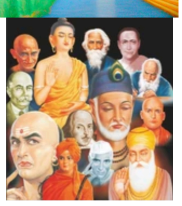

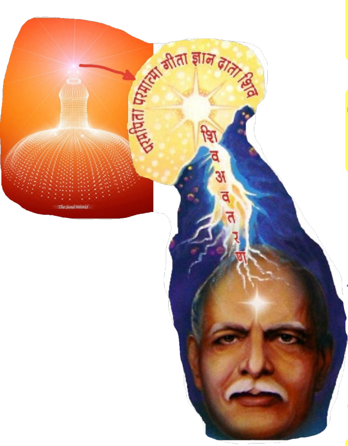


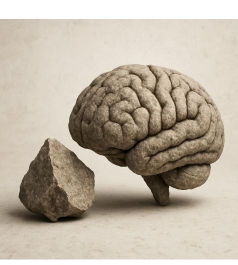

So, Be Prepared

Be very strong in will power

Points: ज्ञान

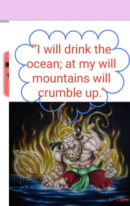

M.imp.

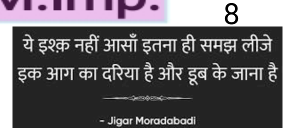

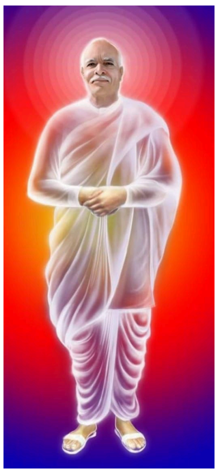

नहीं हैं। हे आत्मायें अब देही-अभिमानी बनो, हे आत्मायें एक बाप को याद करो और राजाई को याद करो। देह के संबंधों को छोड़ो तो पारसबुद्धि बन जायेंगी। मरना तो सबको है। सबकी अब वानप्रस्थ अवस्था है। एक सतगुरू बिगर सर्व का सद्गति दाता कोई हो नहीं सकता।

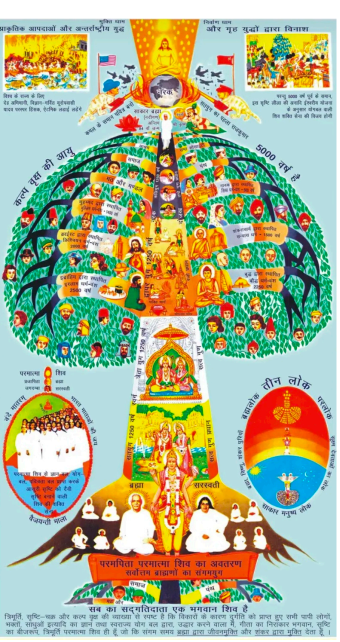

बाप कहते हैं हे भारतवासी बच्चों तुम पहले पारसबुद्धि थे। गाया हुआ है कि आत्मा परमात्मा अलग रहे... तो पहले-पहले तुम भारतवासी देवी-देवता धर्म वाले आये हो और धर्म वाले पीछे आये हैं तो उन्हों के जन्म भी थोड़े होते हैं। सारा सृष्टि का झाड़ कैसे फिरता है वह बाप बैठ समझाते हैं। जो धारणा कर सकते हैं, उनके लिए बहुत सहज है। आत्मा धारण करती है। पुण्य आत्मा और पाप आत्मा तो आत्मा बनती है। तुम्हारा अन्तिम 84 वाँ जन्म है। तुम वानप्रस्थ अवस्था में हो। वानप्रस्थ अवस्था वाले गुरू करते हैं - मन्त्र लेने लिए।

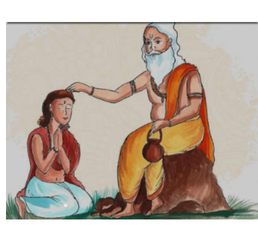

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

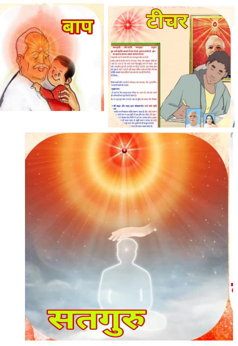


तुमको अब बाहर का मनुष्य गुरू करना नहीं है। तुम सभी का मैं बाप टीचर सतगुरू हूँ। मुझे कहते ही हैं - हे पतित-पावन शिवबाबा। अभी स्मृति आई है, सभी आत्माओं का यह बाप है। आत्मा सत्य है, चैतन्य है क्योंकि अमर है। सभी आत्माओं में पार्ट भरा हुआ है। बाप भी सत्य चैतन्य है। वह मनुष्य सृष्टि का बीजरूप होने कारण कहते हैं कि मैं सारे झाड़ के आदि-मध्य-अन्त को जानता हूँ, इसलिए मुझे नॉलेजफुल कहा जाता है। तुमको भी सारी नॉलेज है कि बीज से झाड़ कैसे निकलता है। झाड़ बढ़ने में तो टाइम लगता है। बाप कहते हैं कि मैं बीजरूप हूँ। अन्त में सारा झाड़ जड़जड़ीभूत अवस्था को पाता है। अभी देखो देवी देवता धर्म का फाउण्डेशन है नहीं। प्राय:लोप है। जब देवी-देवता धर्म गुम हो जाता है तब बाप को आना पड़े। एक धर्म की स्थापना कर बाकी सबका विनाश करा देते हैं। प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा बाप स्थापना करा रहे हैं आदि सनातन देवी देवता धर्म की। तुम आये हो भ्रष्टाचारी से श्रेष्ठाचारी देवता बनने। यह ड्रामा बना हुआ है, इनकी एन्ड नहीं होती। बाप

बीजं मां सर्वभूतानां विद्धि पार्थ सनातनम्।
बुद्धिर्बुद्धिमतामस्मि तेजस्तेजस्विनामहम्॥
हे अर्जुन! तू सम्पूर्ण भूतोंका सनातन बीज मुझको ही जान। मैं बुद्धिमानोंकी बुद्धि और तेजस्वियोंका तेज हूँ॥ १०॥ अध्याय- 7

बलं बलवतां चाहं कामरागविवर्जितम्।
धर्माविरुद्धो भूतेषु कामोऽस्मि भरतर्षभ॥
हे भरतश्रेष्ठ! मैं बलवानोंका आसक्ति और कामनाओंसे रहित बल अर्थात् सामर्थ्य हूँ और सब भूतोंमें धर्मके अनुकूल अर्थात् शास्त्रके अनुकूल काम हूँ॥ ११॥

Infinite loop

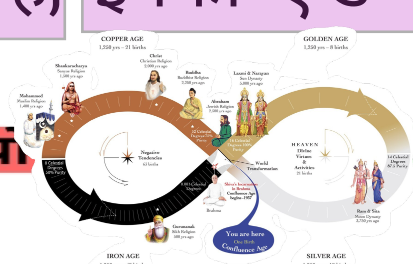


Points: ज्ञान यो M.imp.

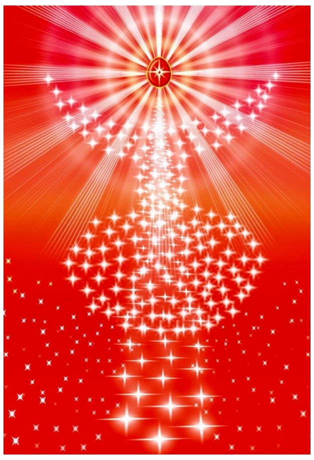

आते हैं। आत्मायें सब ब्रदर्स हैं, मूलवतन में रहने वाली। जो उस एक बाप को सब याद करते हैं। दु:ख में सिमरण सब करें ... रावण राज्य में दु:ख है। यहाँ सिमरण करते हैं तो बाप सर्व का सद्गति दाता एक है। उनकी महिमा है। m.m.m. Imp. बाप न आये तो पावन कौन बनाये। क्रिश्चियन, इस्लामी आदि जो भी मनुष्य हैं इस समय सब तमोप्रधान हैं। सभी को पुनर्जन्म जरूर लेना है। अभी पुनर्जन्म मिलता है नर्क में। ऐसे नहीं कि सुख में चले जाते हैं। जैसे हिन्दू धर्म वाले कहते हैं कि स्वर्गवासी हुआ तो जरूर नर्क में था ना। अभी स्वर्ग में गया, तुम्हारे मुख में गुलाब। जब स्वर्गवासी हुआ फिर उसको नर्क के आसुरी वैभव क्यों खिलाते हो! पित्र खिलाते हैं ना। बंगाल में मछली, अण्डे आदि खिलाते हैं। अरे, उनको यह सब खाने की दरकार क्या है! वापिस कोई जा नहीं सकता। जबकि पहले नम्बर वालों को 84 जन्म लेना पड़ता है। इस ज्ञान में कोई तकलीफ नहीं है। भक्ति मार्ग में कितनी मेहनत है। राम-राम जपते रोमांच खड़े हो जाते हैं। यह सब है भक्ति मार्ग। यह सूर्य चाँद

Majority Foreigners don't know about Existence of God Hence they are predicting future as follows

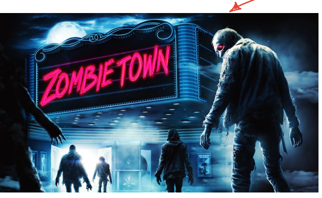

Simple Logic

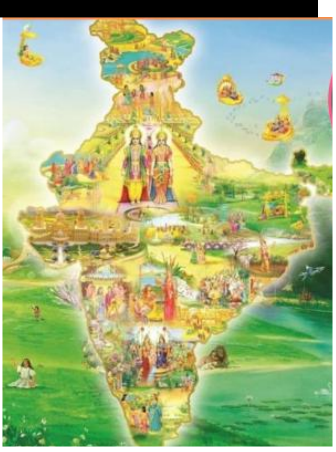

ये पक्का समझ लो..

सूर्यवंशी

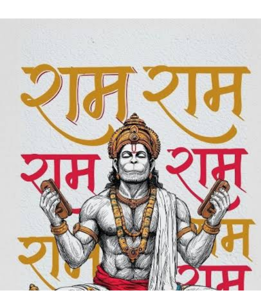

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

आदि रोशनी करने वाले हैं, यह देवता थोड़ेही हैं। वास्तव में ज्ञान सूर्य, ज्ञान चन्द्रमा और ज्ञान सितारे यहाँ की महिमा है। अच्छा!

मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते।

**धारणा के लिए मुख्य सार:-**

1) इस अन्तिम 84 वें जन्म में कोई भी पाप कर्म (विकर्म) नहीं करना है। पुण्य आत्मा बनने का पूरा-पूरा पुरुषार्थ करना है। सम्पूर्ण पावन बनना है।

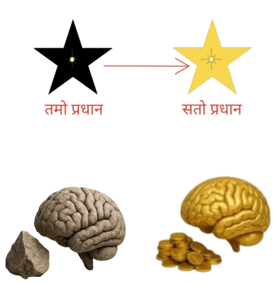


2) अपनी बुद्धि को पारसबुद्धि बनाने के लिए देह के सब सम्बन्धों को भूल देही-अभिमानी बनने का अभ्यास करना है।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

17-03-2026 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

**वरदान:- पुराने संस्कारों वा विघ्नों से मुक्ति प्राप्त करने वाले सदा शक्ति सम्पन्न भव**

किसी भी प्रकार के विघ्नों से, कमजोरियों से या पुराने संस्कारों से मुक्ति चाहते हो तो शक्ति धारण करो अर्थात् अंलकारी रूप होकर रहो।

जो अलंकारों से सदा सजे सजाये रहते हैं वह भविष्य में विष्णुवंशी बनते हैं लेकिन अभी वैष्णव बन जाते हैं।

Result

उन्हें कोई भी तमोगुणी संकल्प वा संस्कार टच नहीं कर सकता। वे पुरानी दुनिया अथवा दुनिया की कोई भी वस्तु और व्यक्तियों से सहज ही किनारा कर लेते हैं, उन्हें कारणे अकारणे भी कोई टच नहीं कर सकता।

Answer:

**स्लोगन:** हर समय हर कर्म में बैलेन्स रखना ही सर्व की ब्लैसिंग प्राप्त करने का साधन है।

Question:

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा

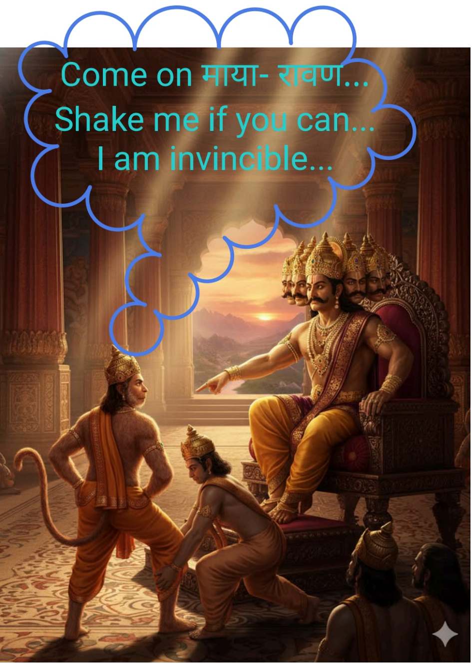


# ये अव्यक्त इशारे-

## "निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

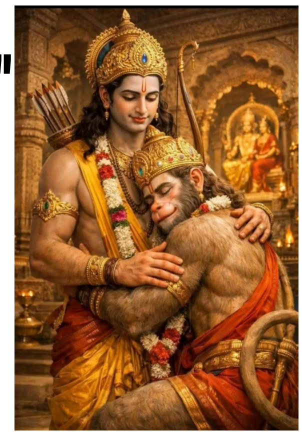

जैसे आपस में दो मित्र होते हैं तो उनके बीच यदि कोई उनकी ग्लानि करने आता है तो वह उसके भाव को बदल देते हैं।

जहाँ निश्चय होता है वहाँ शब्द का भाव बदल साधारण बात हो जाती है।

तो हरेक की विशेषता को देखो तब अनेक होते भी एक दिखाई देंगे। एकमत संगठन हो जायेगा।

कोई किसके ग्लानि की बातें सुनाये तो उसे टेका देने के बजाए सुनाने वाले का रूप परिवर्तन कर दो।

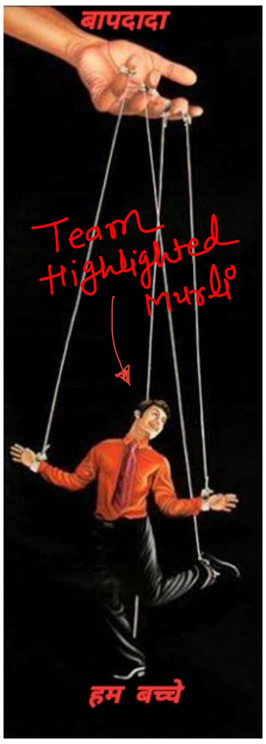


ओम शांति,

30 मार्च 2026 को इस हाइलाइटेड मुरली की सेवा को 6 साल पूरे हो रहे हैं (इसको 30/3/2020 को शुरू किया था) तो इस उपलक्ष में यहां पर हम आपके साथ एक गूगल फॉर्म शेयर कर रहे हैं जिसके द्वारा ये जान पाएंगे कि...

1. आपको Highlighted मुरली से क्या प्राप्ति हो रही है एवं आप इसको अपने पुरुषार्थ में कैसे उपयोग में लेते है ? (अनुभव)
2. आप Highlighted मुरली में क्या कुछ नवीनता चाहते हैं? (feedback)
3. हम ये जान पाए कि देश-विदेश में Highlighted मुरली की पहुंच कहां तक है? (Reach of मुरली)

आपको अगर कोई शिकायत हो तो भी जरूर लिखे। हम उसे solve करने का प्रयास करेंगे।

कृपया अपने सुझाव एवं प्रतिभाव अवश्य साझा करें, आपके सुजाव एवं प्रतिभाव हमे आगे के लिए पथ प्रदर्शन में सहयोगी बनते है। (क्योंकि पहले भी आप श्रेष्ठ आत्माओं के feedback के आधार से ही gradually बहुत सारे changes किए हुए है)

आपके द्वारा भेजे गए Feedback में से कुछ एक Feedback को यहाँ पर साझा करेंगे, जिससे कि दूसरों को अपने पुरुषार्थ में बल मिल सकें ।

शुक्रिया, ओम शांती।

**Link of Google Form ===>** **Click**

Team Highlighted Murli

पिछले साल बहुत से अनुभव प्राप्त हुए थे उन में से कुछ अनुभव यहां पर रख रहे है जो आपको खुशी एवं आपके पुरुषार्थ में बल भरेंगे

"Highlights Murli मुझे सदा सामने रेहने से बाबा के श्रीमत सदा साथ रहने का अनुभव होता . Point पडने से खुशी का पारा सदा ही चढा रहता है साथ साथ Highlight होने से चारा ही subject के मुरली में से मुख्य point सदा यॉंद रहते है"
— BK Sachin ज्ञान में- 23 Year From:- Pune Maharashtra

I love reading highlighted murli. It explains with example and small pictures which is very helpful
— Gayatri Sharma ज्ञान में - 5 years From: Winnipeg, Canada, Manitoba

I have seen improvement in my Purusharth due to understanding murli points through this diagrammatic form of Baba's letter. It is very interesting and powerful technique to remember murli points throughout the day.
—Asha savlani ज्ञान में-30 yearsFrom:- Pune Maharashtra

Om Shanti bhai ji, m UPSC ki preparation kr rhi hu, murli pdhna usme imp. Kya h ye smjhna bhut muskil hota tha starting m , but jb se aapki highlited murli pdhne lgi hu ...murli k points bhi yaad rhte h.....aur jo picture add kr dete h aap ,usse toh murli k imp. Point ko yaad rkhna bhut easy ho jata h.....aise hi easy way m murli laate rhtiye✨✨✨bhai ji thnx ....shiv baba bless u✨✨
---BK Neetu ज्ञान में- 2( seriously from 6 month) From: Pratapgarh Uttar Pradesh

"हर हाईलाट कलर से किस को भी आसान तरीके से समझा सकते है, ओर ज्ञान, योग, धारणा, सेवा, अच्छी तरह समझ आती है. एसली ऐ बहुत ही सुंदर सेवा कर रहे है."
—Bk Rohit b langhnoja ज्ञान में-16 yearsFrom:- Surendranagar; Gujarat

Amazing seva baba has given yiu!! Every soul must be showering you with so much love n blessings and Bab bhi bahut khush hote honge
--- Neha khandelwal ज्ञान में-Bachpan se From: Kanpur Uttar Pradesh

"Aap bahot achi seva kr rhe h. M aapki hi pdf se murli padhti hu. Or jo photos, songs, clips dalte ho usse bahot acha clear hota h. Please Continue doing the work. Thank you Baba Om shanti 🙏"
---Priya Saini ज्ञान में- 4 mahine From:- Rajasthan, Jhunjhunu ,gyan Jaipur devi nagar centre se lia

purusharth me tivrata aati aati he... bahut accha he mere liye... padhne me bhi clerity rahti he... yad bhi acchi tarah raheta he... good job kar rahe ho... chalu rakhna...
— Modi Minal ज्ञान में- 45 years From:- Ahmedabad, Gujarat

This highlighted Murli helps a lot to understand and seek the knowledge, specifically for the new comers like me those don't take regular classes at centre. I did online Rajyoga course in 2018 and again at centre in 2024. This is a great initiative. Thank you so much. Om Shanti 🙏
— Raveena Batra ज्ञान में - 6 year From: Sonipat, Haryana

"Dear team, Om Shanti. Its eadg to remember murli through picture format. Much appreciated thank you so much."
— A. Suryasree ज्ञान में-15 yrs From:- Sheffield UK

"You are doing Very unique Service. Murli become very easy to understand with illustrations and highlighted points of GYDS I share it even to my class matas and show them the illustrations while read Murli in class. All Godly students taking benefit to understand and remember Murli points. I feel this is Baba's very Special service by special quality souls. Heartiest Blessings Blessings and Blessings 😇😇 Om Shanti "
—BK Meena Bharti ज्ञान में- 23 years From:- Ghumarwin, Himachal Pradesh

"It is very interesting to read this highlighted Colourful Murli with lots of pictures and important informations along with this. Emojis used are also very useful to understand the emotions.. love to read it ❤️ Extremely thankful to all of you for the efforts... bahut dhanyawad 🙏👍❤️❤️"
— Manju Sharma ज्ञान में- 6yrs.From:- Rewari Haryana

Om Shanti, I came into gyan in 1981 in Kenya where I am born. My yugal was first. As Baba says charity begins at home, we also introduced my lokiks to knowledge and we all started following Baba's knowledge.
I started reading the highlighted Murli quite a number of years ago when both the Hindi & English were done from the same portal. I find it easy to read because of the large fonts. Also highlighting the 4 subjects makes it easy to revise after having heard the Murli on line as I do in Nairobi. As I cannot remember all the Murli points because of age ( 83yrs) I like the main ones which marked. I try to keep one or two in mind throughout the day and also look at the highlighted Murli at every opportunity.
I think you are doing wonderful service particularly for older gyani souls. Please continue the good work and I wish you the best.
Another point I forgot to mention is the photos that you show beside the text. It makes remembering that particular point easy to recall. Also the points that are written from your own churning of the knowledge are useful.
IBY
BK DINKER
NAIROBI CENTRE.

I AM IN GYAN AT THE AGE OF 12 YEARS I ALWAYS WANT TO EXPLAIN THE MURLI WITH WORLD EXAMPLE LIKE IF BABA SAID COMPANY MATTERS ALOT THEN I TRY TO FIND OUT ON THE GOODLE WHAT GREAT PERSONALITY LIKE KABIR DAS , GANDHI JI AND OTHERS SAID ABOUT IT BUT WHILE STUDYING THE MURLI THROUG HIGHTED POINTS BABA HELPS ME ALOT .
YEAH NAA SIRF MUJH KUMMARI ME GYAN KA NASA BHARTA HAI BALKI JB MAE MURLI CLASS ME SUNATI HU TOH BAKI AATMAO KO BHI MAZA AATA HA.
#MURLI #PICUTURES OF SATYUG #EXAMPLES #NEW METHOD AND UNIQUE MENTHOD OF SEWA THANK TO SHIV BABA

--ARCHANA KUMARI ( SHAKTI BEHAN) ज्ञानमें- 15 years From - HAZIPUR BIHAR

gita Pathshala me baba ne seva di to ye mere liye ek sundar saugat hai samzane ke liye dil se shubh kamna shubh bhavna deti hu aap ke bhehtarin se ke liye baba yaisi hi seva last tak aap se karvayega ji 👌👌🙏🙏

-- Bk suchitra Bhawsar ज्ञान में- 11 years. from: Durg 36garh

Highlighted Murli helps understand the main points. The Pictures put in helps to remember the points throughout the day. It works wonders in our mind to remember anytime in the day. Now Murli points cannot be forgotten due to Highlighted Murli group's commendable efforts.

--- BK Mandar Tamhankar Gyan: 20 years from- Pune , Maharashtra

OM SHANTI...Its informative and interesting to read BABA's MURLI in colored format as lot of related pictures ,information and attention points sometimes funny pictures are there, this help us to remember Murli. Since i am working as Professor in Medical College ,in the morning i read black and white, and afternoon apne department mein... jab hum detail mein samajhte hain to highligted colored murli read karte hain, baba ke naye bachche unko bhi jab murli sunate hain to colored hi dikhate hain to unko samajhne mein easy rahta hai....LOT OF THANKS TO SHIIV BABA and TEAM...dil se shukriya and blessings!!!!!!!

--- Reema kumari gyan- 11 years from- Lucknow Uttar Pradesh

Hilighted murli se muz atma ko bahut fayda hua hai. Thanks. Thanks to baba and nimitta bane hilighted murli team members. Isme diye gaye points aur references, explanation, inke dwara baba muze purushrth me aage badha rahe hai. Daily murli ka itna abhyas karke muz atma ko murli ki achi samaz milti hai...isse murli points yad rahane me bhi aasani hoti hai

Susmita Rao. gyan- 13 years from- Mumbai

High lighted मुरली से main पॉइंट्स को जानने समझने में बहुत ही मदद मिलती है खास करके चारों सब्जेक्ट ज्ञान, योग, सेवा, धारणा के बाबा के महावाक्य को बड़े आसानी से मालूम हो जाता है जिनको मनन करने में सहायता मिलती है... वाक्य में यें आपका बहुत ही सराहनीय कार्य है व बहुत ही नये तरीके की सेवा है, बाबा से प्रार्थना है यह ग्रुप दिन दुगनी प्रगति करता रहे। ओमशान्ति 🙏🙏

Bk Suresh gyan-35 years , from - palwal, haryana

Highlights helps to categorize 4 subjects

-Poonam Gujral ; gyan: 32 years, from San Francisco, USA

हायलाईट मुरली पढने से मेन पॉईंट ज्ञान योग धारणा सेवा की बुद्धी मे बैठती है पॉईंट्स से रिलेटेड फोटो जो होते है उसे वह पॉईंट ध्यान मे रहती है ओम शांती🙏💥
-- Sangita Udakhe, gyan- 20 years, from - Yavatmal, Maharashtra

High lighted Murli high lights are Pictures, under lines, high lighting points with colors also points taken from other stories like Kabir das and scriptures etc. High lighted murlis helps to remember murli very well gives an entertainment of study rather then boring. High lighted murli Increases murli sweetness helps to understand deeper points makes our Yog powerful. Thank you for all efforts and team for doing such a wonderful job. Dil sa Shukriya

--Bk Goutham , gyan- 20 years, from- Farmington Hills, Michigan, USA

Highlighted Murli se easy ho jata hai . Important points yaad karne mein easy hota . Murli bhi achi tarah samajh ati hai . Jo song ke link main madhuban murli m nahi hota woh highlighted murli m mil jata hai . Sujhav yeh hai ki murli m jo kahawatey ati hai unko pura complete karke jarur bheje n jo kahani baba example dete hai uska link bhej de taki hum us kahani ko padh sake agar nahi maloom ho toh . Thank you very much , great service you are doing . Baba bless the team .

– Ritu Chawla, gyan- 7 years, from - kuvait, gulf country

From very log time I am visiting this site for murli and other sewa and also seen Highlighted murli but from sometime I am regularly referring Highlighted murli. The team is really doing good job and its very easy to remember the murli points.
The hyperlinks, Pictures, written text with experience sharing and legends at the bottom of every page make it a proper formal document. Its really looks like a professionalism in spirituality.

Congratulations. :-)

– HRISHEESHWAR KAUSHIK. Gyan:from childhood  From:Delhi, Shahdara

Highlighted Murali made to understand easily the four subjects Gyan Yog Dharana aur sewa. Pictures also connects fast, what baba wanted to tell us. Thanks baba thanks team.

– Sulckshna Saidha gyan:15 years From: Dehradun Uttarakhand

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.
Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya🙏🥰🥰 om shanti

— Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

बड़े अक्षर पड़ने में सरल लगता है और आपके pictures और extra points को नोट करते है
Life is Drama
The World is a stage
Men are actors
God is the creator, Director & Principal Actor
इसमें सारा ज्ञान समा हुआ है। दूसरों को इससे समझाने की कोशिस कर रहा हूँ.
पर मुझे अभी तक एक बात समाज में नहीं आ रहा है की आप चारो subjects को कैसे अलग कर highlight करते हो
Thank you, keep it up

--- Shivkesh; Gyan:- 4 years from:- HyderabadTelangana

Dear Team - Highlighted murali helped a lot. Everyday i will be so excited to read in this highlighted form, its very easy to understand, remember, Dharna. Pictures helps a lot for memorising. I am able to tell Murali points easily. This has helped me in driving my attention and interest for Murali. I request the team to please continue. Om Shanti

— Lalitha; Gyan- 7 yearsBangalore, From:- Hosa road, Karnataka

It reminds me of my medical study days, I used to study like this. HIghlighting and writting in pointwise manner makes murali easy to remember. Colour codes distinguish between all four subsets of murali like Gyan, yog, dharana and seva. Pictorials help to relate and memorise it better. Colourful highlights make it very attractive. Great efforts by team. Shukriya BABA

—Kumud ; gyan:-चार साल From:- Mumbai, Maharashtra

bahut sarl shaj tarki se yad karne me help milta hai
sabhi time members ko tahe dil se sukriya🙏
sukriya methe baba💕

— narendra gyan :-16 years From:- seoni Madhya Pradesh

मुझे हाइलाइट मुरली बहुत अच्छी लगती है चित्रों के द्वारा मुरली अच्छी तरह समझ में आती है और मुरली के पॉइंट्स अच्छी तहत याद आती

--- Asha devda Gyan:- 7 year; From:- Jhalawar Rajasthan

Your picturesque according to the meaning of the word or the context and your remarks such as "point to be noted, Wah wah, wah baba wah, self checking, simple logic, be prepared, mind very well, how great are we and so on....."Some Slokas, quotes from devotional scriptures are promoting a great deal of understanding and interest in reading Murli with its actual meaning according to its context. Thanks 🙏 for your Godly service for all seekers of knowledge.
Omsanthi.

Bk Narasimhulu Somisetty; ज्ञान में: 25 years; From: Sathupally; Khammam district Telangana

ओम शांति
हाइलाइटेड मुरली इंस्टेंट ज्ञान खजाना है जिसमें मुझ आत्मा को मुरली के सही दिशा में चिंतन मनन में सहयोग मिलता है
आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद है जो आप मेहनत से हम सब ज्ञान पिपासुओं को तृप्त कर रहें हैं

Bk Alok ; ज्ञान में:18 years; From: Badaun, Uttar Pradesh

Since I started reading this murli, I am understanding Babas Gyaan better. Your click buttons, simple explanations give me lot of clarity. I don't have to listen to any other teacher. Thankful to final destination and Murli to take me forward in pursharth. Baba bless you always for this amazing seva

Rita Soman; ज्ञान में:14yrs ; From: Pune, Maharashtra

I like all the photos attached as you remembers the main points of Murli and you get the feel of what Baba is trying to tell us. It also gives us intoxication.

Yogesh Kumar
Gyan: 4 years, From:- Coventry, West Midlands UK , England (UK)

Its very catching to mind as the pictures n highlights with colour get absorb in brain very quick.More over this beautiful effort of highlighting all the four subjects with different colour makes it very convenient to focus on the point instantly for revision.
Overall its a great effort Thankyou soooo much Thankyou sweetest baba for so helpful Brahmin Parivaar 🙏🏼

BK Riya Vij   Gyan: 15 + years From:- Vaishali, Ghaziabad Uttar Pradesh

It's very helpful to highlight Murlis with pictures to enhance understanding, especially when Baba explains places, things, etc. In the Avyakt Murlis, when Baba speaks to the Dadis, it's wonderful to see their pictures and know which Dadi Baba is referring to. It's a great effort by all of you! Every day, I feel excited to read the colorful Murlis.
Thanks to Baba's children for the great job!🙏🙏

Balbir kaur ; ज्ञान में: 12 years; From: Sacramento California USA

Murli se very powerful yog or pure din avstha achi reh ti hai highlight Murli bahut achi lagti hai thank you so much 🥰

Reena Mangukiya ; ज्ञान में: 4 years ; From: Surat Gujarat